डॉ. संजय अग्रवाल : सनातनी, सामाजिक उत्थान के समर्थक

डॉ. संजय अग्रवाल का जन्म 7 अप्रैल 1964 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। वे भारत के एक वरिष्ठ और अनुभवी इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर हैं, जिनका जीवन-कार्य राष्ट्र की प्रगति, एकता और उज्ज्वल भविष्य के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्षों के दौरान उन्होंने न केवल एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की, बल्कि एक ऐसे गर्वित सनातनी, सिद्धांतनिष्ठ राष्ट्र-निर्माता के रूप में भी स्वयं को प्रतिष्ठित किया है, जो मानते हैं कि सच्चा विकास वही है जो मानवीय, समावेशी और नैतिक मूल्यों से प्रेरित हो। मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से निकलकर भारत के अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर पेशेवरों में स्थान बनाने तक की उनकी यात्रा ने उनके दृष्टिकोण को गहराई दी और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय योगदान देने के उनके संकल्प को सुदृढ़ किया।

पेशेवर जीवन-आधुनिक भारत की धमनियों का निर्माण : डॉ. अग्रवाल का पेशेवर सफर दशकों के व्यावहारिक अनुभव और सार्वजनिक विकास कार्यों से जुड़ा रहा है। एसए एसोसिएट के प्रमोटर के रूप में उन्होंने ऐसे बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को आकार दिया, जो आज लाखों यात्रियों के लिए जीवनरेखा सिद्ध हो रही हैं। उनकी कंपनियों को कार्यकुशलता, गुणवत्ता और नैतिक प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, जिसमें 100 करोड़ से कम श्रेणी में सीआईडीसी विश्वकर्मा अवॉर्ड (सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित कंपनी) भी शामिल है।

उनके पेशेवर जीवन की वास्तविक पहचान उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव है। डॉ. अग्रवाल और उनकी टीमों ने 5,000+ लेन-किलोमीटर हाईवे, सड़कें और सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण,मात्र 17 घंटे 45 मिनट में 110 किमी हाईवे का रिकॉर्ड निर्माण, युवाओं और स्थानीय समुदायों के लिए दीर्घकालिक रोजगार के अवसर सृजित किए,बहु-विषयक इंजीनियरिंग टीमों का प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन किया।

उनका कार्य न केवल भारत के भौतिक इंफ्राास्ट्रक्चर को मजबूत करता है,बल्कि असंख्य परिवारों की आजीविका, आकांक्षाओं और भविष्य को भी संबल प्रदान करता है।

सार्वजनिक जीवन और सामाजिक प्रतिबद्धता : आर्थिक विकास को गति देने वाली प्रणालियों के निर्माण में दशकों बिताने के बाद, डॉ. संजय अग्रवाल अब वही अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सार्वजनिक नेतृत्व में स्थापित करना चाहते हैं। उनका विश्वास है कि शासन जनता-केंद्रित होना चाहिए, विकास पारदर्शी होना चाहिए और समाज को समरसता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उनकी प्रमुख प्राथमिकताएँ हैं-

जवाबदेही और नैतिक शासन को मजबूत करना, समयबद्ध एवं गुणवत्ता-आधारित सार्वजनिक कार्य, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए अवसरों का विस्तार, नवाचार और निष्पक्ष प्रणालियों को प्रोत्साहन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ सामाजिक परिवर्तन।

वे मानते हैं कि सार्वजनिक सेवा तभी सार्थक होती है, जब वह समाज के सबसे सामान्य नागरिक को सशक्त बनाए।

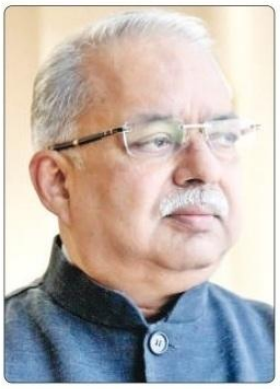

अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देश, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान और चीन की यात्राओं के माध्यम से डॉ. अग्रवाल ने व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण प्राप्त किया है, साथ ही वे भारत की जमीनी वास्तविकताओं से सदैव जुड़े रहे हैं।

विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण : डॉ. अग्रवाल वर्ष 2047–स्वतंत्रता के 100 वर्ष–तक एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जो मजबूत, एकजुट और वैश्विक स्तर पर सम्मानित हो। उनका विकसित भारत का विज़न देशभक्ति और व्यावहारिक योजना–दोनों का संतुलित संगम है। वे ऐसे भारत की परिकल्पना करते हैं जहां प्रत्येक नागरिक को, उसकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुगम आवागमन उपलब्ध हो। उनका मानना है कि इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य के भारत को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा–लोगों को जोड़ते हुए, ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाते हुए और आर्थिक परिवर्तन को गति देते हुए।

उनके प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं-

शिक्षा, कौशल विकास और समावेशन के माध्यम से सामाजिक उत्थान

विकासोन्मुख, आधुनिक और सतत इंफ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए देशभक्ति और एकता,उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण,स्वच्छ, पारदर्शी और जवाबदेह शासन।

डॉ. अग्रवाल का मानना है कि राष्ट्र-निर्माण केवल संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को सशक्त करने की प्रक्रिया है।

गरीबी पारिवारिक वातावरण में पले-बढ़े डॉ. अग्रवाल को अनुशासन, शिक्षा और विनम्रता के संस्कार अपने माता-पिता से प्राप्त हुए। उनके पिता नरेंद्र कुमार अग्रवाल (सेवानिवृत्त रेलवे इंजीनियर) और माता कुसुम अग्रवाल (स्नातक एवं गृहिणी) ने उनके जीवन में ईमानदारी, परिश्रम और समाज-सेवा के मूल्यों की मजबूत नींव रखी। उनका परिवार आज भी इन्हीं मूल्यों का प्रतिबिंब है। उनकी पत्नी शर्मिला अग्रवाल जापानी पुष्प कला इकेबाना की कुशल साधिका हैं। उनके बच्चे इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं- निशांत अग्रवाल - शेल यूके में सीनियर फाइनेंशियल एडवाइज़र, ईशा अग्रवाल-कागज, सतत फैशन ब्रांड की संस्थापक उद्यमी हैं।

डॉ. अग्रवाल अपने परिवार को जमीन से जुड़ा रखने वाला मार्गदर्शक मानते हैं और कहते हैं कि नेतृत्व की पहली सीख घर में करुणा और जिम्मेदारी से मिलती है।

शिक्षा, नेतृत्व शैली और मूल्य : गोरखपुर रेलवे स्कूल से प्रारंभ होकर डीएवी कॉलेज और मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तक की उनकी शैक्षणिक यात्रा ने उनके तकनीकी और वैचारिक आधार को मजबूत किया। 1986 में सिविल इंजीनियर के रूप में स्नातक होने के बाद, निर्माण विज्ञान में मानद डॉक्टरेट प्राप्त कर उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम माना।

उनकी नेतृत्व शैली अनुभव, नैतिकता और सहानुभूति से प्रेरित है। वे स्पष्ट निर्णय, पारदर्शी कार्यशैली और लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। संकट की घड़ी में भी वे बड़े विज़न पर अडिग रहते हैं।

उनके मार्गदर्शक मूल्य हैं:

ईमानदारी, जवाबदेही, नवाचार, अनुशासन, प्रगति और विश्वास।

वैश्विक अनुभव, भारतीय दृष्टि :

अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देश, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान और चीन की यात्राओं के माध्यम से डॉ. अग्रवाल ने व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण प्राप्त किया है, साथ ही वे भारत की जमीनी वास्तविकताओं से सदैव जुड़े रहे हैं। इन अनुभवों ने उन्हें यह समझ दी है कि वैश्विक सर्वोत्तम विचारों को स्थानीय आवश्यकताओं–विशेषकर इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक प्रणालियों में कैसे प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

प्रस्तुति -चर्चित राजनीति